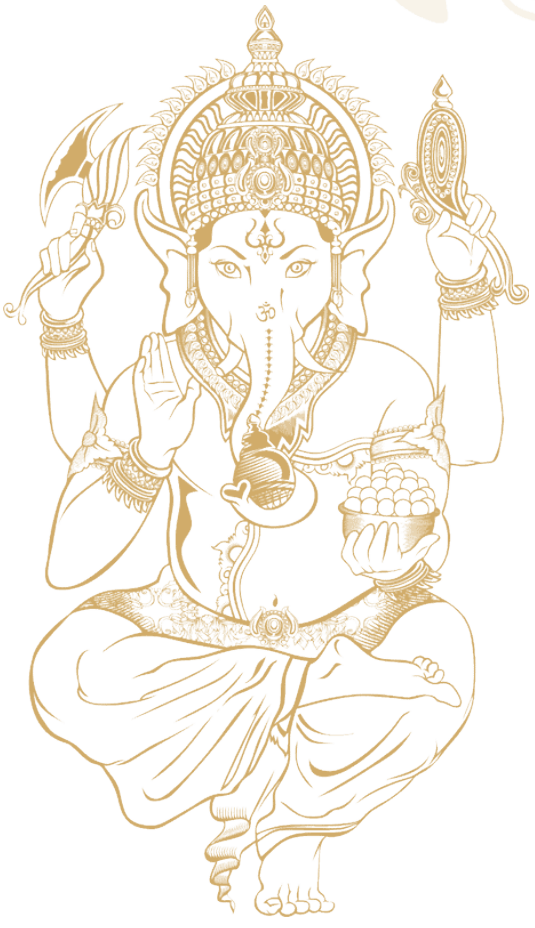

Shashwat Soni

Ritu Soni

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120856408

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/05/1991	जन्म तिथि	24/12/1994
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 20:35:00	जन्म समय	20:46:00 घंटे
घटी 38:13:32	जन्म समय(घटी)	35:26:23 घटी
India	देश	India
Ambikapur	स्थान	Kanker
23:09:00 उत्तर	अक्षांश	20:17:00 उत्तर
83:12:00 पूर्व	रेखांश	81:30:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:48	स्थानिक संस्कार	-00:04:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:17:35	सूर्योदय	06:36:30
18:29:51	सूर्यास्त	17:30:29
23:44:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:25

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 8वर्ष 9मा 3दि	26:53:42	वृश्चि	लग्न	कर्क	23:09:50	शुक्र 3वर्ष 5मा 12दि
राहु	28:37:08	मेष	सूर्य	धनु	08:47:37	राहु
15/02/2023	20:49:36	मेष	चंद्र	सिंह	24:21:58	07/06/2021
14/02/2041	28:47:04	मिथु	मंगल	सिंह	08:20:47	07/06/2039
राहु 28/10/2025	02:37:41	मेष	बुध	धनु	14:45:48	राहु 18/02/2024
गुरु 23/03/2028	12:40:10	कर्क	गुरु	वृश्चि	09:26:18	गुरु 13/07/2026
शनि 27/01/2031	11:21:01	मिथु	शुक्र	तुला	23:39:28	शनि 19/05/2029
बुध 16/08/2033	13:05:29	मक	शनि	कुंभ	13:37:24	बुध 07/12/2031
केतु 03/09/2034	28:22:14	धनु व	राहु व	तुला	18:22:03	केतु 24/12/2032
शुक्र 03/09/2037	28:22:14	मिथु व	केतु व	मेष	18:22:03	शुक्र 25/12/2035
सूर्य 29/07/2038	19:48:54	धनु व	हर्ष	मक	01:15:54	सूर्य 18/11/2036
चन्द्र 28/01/2040	22:51:48	धनु व	नेप	धनु	28:30:26	चन्द्र 20/05/2038
मंगल 14/02/2041	25:09:09	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	05:29:06	मंगल 07/06/2039

लग्न-चलित

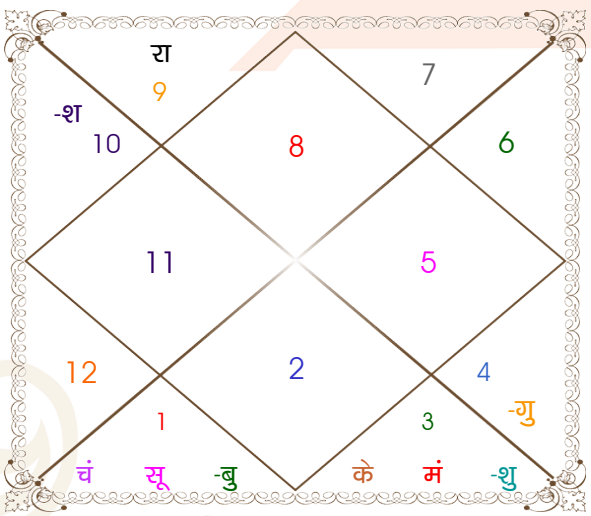

लग्न-चलित

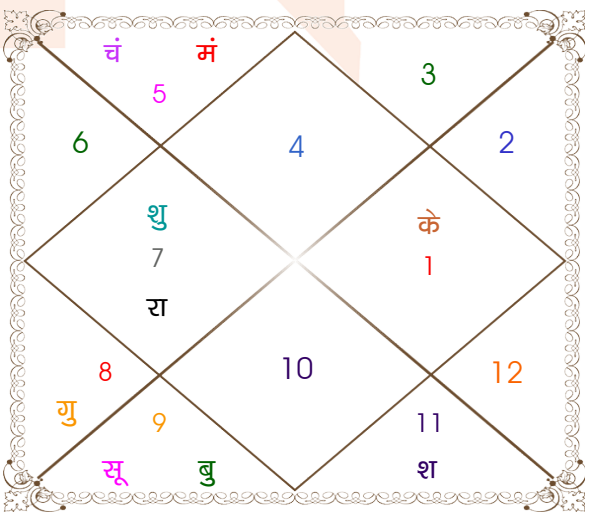

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Shashwat Soni का वर्ग मृग है तथा त्पजनै वदप का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shashwat Soni और त्पजनै वदप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Shashwat Soni मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्पजनै वदप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि त्पजनै वदप कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Shashwat Soni तथा त्पजनै वदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।